

हवाई पत्र
Aerogramme

भारत
INDIA

160



Mr. S. H. RAZA
101, Rue De Charonne
2, Cite du Couvent
75011 PARIS
FRANCE

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

भेजने वाले का नाम और पता:-
Sender's Name and Address:-

Suresh Choudhary
19/24 North T. T. Nagar
Bhopal ↓ M. P.
462003

INDIA

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये
No Enclosures Allowed

14 May 80
Bhopal.

आदरणीय राजा सा.

गदगद

अब गिनती का ध्यान ना नही
कि कितने पत्र आपका लिख चुका, पहले 3-4 मोजने के
लिखने का बाद में लिखने के बाद लगातार कि बहुत मायुष्य
मेरे हो जाये हैं, ना लिख मोजने के लिये नही केवल आप
से बातें करने के लिये पत्र लिखता रहा / दुखः में सुख
में फिर लगाने के बीच 8 मंजर में उठने वाले विवादों का
मैंने आपको बातें कर-कर के बहुत दूर तक ~~पहुंचाया~~
सुखमाया-। शायद ही कोई ऐसा अवसर होगा, किसी पत्रिका-
की कोपनिगों का या करे कोई खास ^{पत्र} अब आपको यादों के
बगैर रात बीती होगी / हाँ सचता है कि कभी हिममल्ल पर
पाऊँ कि उन पत्रों के कुछ-कुछ करो कभी आपको ^{लिख} भेजें

आपके जाने के बाद आपकी काम किया
है मैंने, मोपल, कमलेश्वर, मद्रास में अपनी पत्रिकायाँ
कर चुका हूँ एक आखरी पत्रिका का छोड़ कर ~~सबकुछ~~
कोलकाता मुकलेर बगैर मैंने आपको भेजे ही थे. अभी 1 जुलाई
से 7 जुलाई तक बाबू में राजा आई गेलरी में पत्रिका
कर रहा हूँ / तयारी जोरों से चली हुई है / करे-
काम में भी. और अधिक परिपक्वता लाने की
कोशीश कर रहा हूँ / आपके विरोध पूर्वक के
निदमन के वक्त ही मैंने आपकी लिखावा पात्रिका का
रियेक्शन / एक आखरीय-राजपूरी है उम्मीद अभी तक
में केवल / मोनों ग्राहक भी. अभी 4-8 दिन कुछ
काम परियोजनाओं. जबरजस्ती उठा कर लाया हूँ / लगातार
है जबरन के हिसाब से संख्या का भी कुछ है मोनों ग्राहक
भी + बहोत बहोत बहोत अच्छा छुपा है. लारी सादगी-इच्छा
अच्छी है / इन दिनों अशांति का भी मिलन के उलने-
अच्छा अवसर ना नही का पाले बयोडि में अपने काम में
पहले से आपकी अच्छा व्यस्त रहा हूँ लड़िन-जब तक

पंडितजी-आरे-अ-य-साधनी-के-

मिलने-रहने-हैं / परिषद-में आपकी-लियें-विशेष-दुआ-जा-
 वने-गा-उत्तम-अरेजमें-में-अपनी-दुआ-में-इरना-पाएगा-हैं-आप
 भी-निर्देश-दी-जिये-गा-आरे-मेरी-उत्तरुधना-को-आप-बेहतर-साधनें
 में-अपनी-आरे-में-अशोक-जी-को-मिलने-न-शुके-

इस-दुआ-को-अपना-अंक-में-लिखना-है-आपने-दुआ-(मंगल-मांगी)-के-
 कोलाज-पंडितजी-छप-है-अच्छे-हैं-दाया-आद-आती-हैं-उनकी-भी-
 आव-जब-भी-आप-मारत-आयें-में-अकेले-नहीं-उन्हें-जकार-
 साम्य-मायें / वडेगा-(मेरी-पत्नी)-आपको-आरे-जंगल-आपको-
 उपान-दह-रही-हैं / आपकी-यहां-न-होने-पर-भी-हमेशा-हमें-अह-
 अहसास-होता-है-कि-आप-अभी-यहां-हैं / मेरी-पत्नी-आरे-हैं-हमेशा-
 यही-सोचते-हैं

रुद्रेश / 14-मई-80